आजाद भारत के 75 वर्ष

पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान में स्वाधीनता दिवस–2022 का समारोह

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा दिनांक 15 अगस्त, 2022 को केन्द्र परिसर में 76वाँ स्वाधीनता दिवस अधिकारियों/कर्मचारियों, शोधछात्रों तथा अन्य कर्मचारियों के बीच डा0 संजय सिंह, प्रमुख द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के साथ ही कार्यक्रम का आयोजन प्रारम्भ हुआ। डा0 संजय सिंह ने स्वाधीनता दिवस के 75 वर्ष पूर्ण होने की शुभकामनाएं देते हुए केन्द्र की स्थापना के 30वें वर्ष होने को भी हर्ष का विषय बताया। उन्होने राष्ट्र हित में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के पर्यावरण एवं वानिकी के क्षेत्र में योगदान को अतुलनीय बताया। कार्यक्रम में गणतंत्र दिवस पर आयोजित मॉडल प्रतियोगिता के अंतर्गत केन्द्र के शोधछात्रों द्वारा वानिकी से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर तैयार किये गये मॉडलों हेतु चयनित, को पुरस्कृत किया गया। केन्द्र के 30 वर्ष पूर्ण होने पर अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ संविदा कर्मियों को भी सम्मानित किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने कहा कि केन्द्र द्वारा वानिकी के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाकर राष्ट्र के विकास में योगदान देने का प्रयास किया जा रहा है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दूबे ने बताया कि पूर्व की अपेक्षा वर्तमान में वानिकी के माध्यम से पर्यावरण में सुधार के साथ लघु एवं कुटीर उद्योगों में बढ़ावा मिल रहा है, जिससे सीमान्त किसानों की आय में सुधार आया है। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने पर्यावरण सुदृढ़ता के साथ आत्म निर्भर भारत बनाने में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के कार्यों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने किसानों की आय तथा पर्यावरण सुधार हेतु कृषिवानिकी से अवगत कराया तथा इस पद्धति को अपनाये जाने हेतु बल दिया। इस अवसर पर शोधार्थीगण–वन्दिता, आशीष, योगेश, कामिनी तथा दर्शिता ने विभिन्न देशभक्ति गीत एवं काव्य पाठ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन डा0 अनुभा श्रीवास्तव के निर्देशन में डा0 एस0डी0 शुक्ला द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के कर्मचारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत छात्र, शोध छात्र–छात्राएं तथा अन्य संविदाकर्मी आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम की झलकियां

FRCER
PRAYAGRAJ

FRCER

FRCER

FRCER

FRCER

FRCER